an>

Title: Need to make an authority for managing Kawad Yatra.

श्री राजेन्द्र अग्रवाल (मेरठ): सभापति जी, प्रत्येक वर्ष श्रावण मास में विभिन्न प्रदेशों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु कांवड़िये हरिद्वार आकर गंगाजल लेते हैं तथा पैदल यात्रा करते हुए शिवरात्रि के पवित्र दिन अपने-अपने गाँव-शहर पहुँचकर देवाधिदेव महादेव का हरिद्वार से लाए गए इस गंगाजल द्वारा अभिषेक करते हैं। इन दिनों यह यात्रा चल रही है। इस धार्मिक यात्रा के क्रम में कांवड़िये मेरठ के श्री औघड़नाथ मंदिर, बागपत जनपद में श्री पुरा-महादेव तथा हापुड़ में छपकौली स्थित शिव मंदिर में जलाभिषेक करते हैं। इन कांवड़ियों की संख्या में प्रत्येक वर्ष वृद्धि हो रही है तथा गत वर्ष इनकी अनुमानित संख्या एक करोड़ से भी अधिक थी। हरिद्वार से मेरठ तक का लगभग 135 कि.मी. का मार्ग स्वाभाविक रूप से श्रावण मास की शिवरात्रि के एक सप्ताह पूर्व से इन श्रद्धालु कांवड़ियों से भरा रहता है। प्रतिदिन लाखों की संख्या में इस मार्ग से गुज़रने वाले इन कांवड़ियों के भोजन, विश्राम, चिकित्सा आदि की व्यवस्था विभिन्न धार्मिक-सामाजिक संगठन स्वेच्छया सेवाभाव से करते हैं परन्तु निरंतर बढ़ रहे इस धार्मिक महा-आयोजन की शासकीय स्तर पर सुनियोजित रूप से व्यवस्था किया जाना बहुत आवश्यक है। क्योंकि यह यात्रा अनेक प्रदेशों, विशेषकर उत्तराखंड तथा उत्तर प्रदेश से गुज़रती है, इस कारण उपर्युक्त व्यवस्था केन्द्र सरकार के स्तर पर ही किया जाना संभव है।

मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि सरकार इस अत्यंत विशाल धार्मिक आयोजन की समय रहते व्यवस्था करने, यात्रा मार्ग को सुगम व सुविधापूर्ण करने तथा इसकी सुरक्षा की चिन्ता करने इत्यादि के लिए कुंभ मेला प्राधिकरण की तरह का एक प्राधिकरण बनाने का कष्ट करें ताकि परस्पर बेहतर तालमेल द्वारा यह आयोजन निरापद रूप से सम्पन्न होता रहे।